

प्रेषक,

अरुण कुमार ढोंडियाल,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

क्र.सं-15-

सेवा में,

निदेशक,
समाज कल्याण विभाग,
हल्द्वानी-नैनीताल।

समाज कल्याण अनुभाग-3

देहरादून: दिनांक : 24 अप्रैल 2008

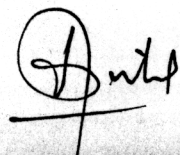
विषय : चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक में समाज कल्याण विभाग से संबंधित अनुदान संख्या-15 के आयोजनेत्तर पक्ष में प्राविधानित धनराशियों की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या: 267/XXVII(1)/2008, दिनांक 27 मार्च 2008 की छाया प्रति संलग्न कर प्रेषित करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक में समाज कल्याण विभाग से संबंधित अनुदान संख्या-15 के अन्तर्गत प्राविधानित धनराशियों में से आयोजनेत्तर पक्ष की रू०. 13,63,20,000.00 (रुपया तेरह करोड़ तिरसठ लाख बीस हजार मात्र) की धनराशि को संलग्नकों के अनुसार निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वतन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेजिंग (त्रैमास के आधार पर) अनिवार्य रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए, जिससे राज्य स्तर पर कैशफ्लों निर्धारित किये जाने में किसी प्रकार की कठिनाई न उत्पन्न हो।
2. आय-व्ययक द्वारा व्यवस्थित उक्त धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाए, और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाए। अवचनबद्ध मदों में व्यय करने से पूर्व शासन की स्वीकृति प्राप्त की जाय।
3. उक्त आवंटित धनराशि किसी ऐसी मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका के अन्तर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए।
4. किसी भी शासकीय व्यय हेतु भण्डारकय प्रक्रिया (स्टोर परचेज रूल्स) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम) के आय-व्ययक संबंधी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

5. यह व्यक्तिगत रूप से सुनिश्चित कर लिया जाए कि आवश्यकतानुसार आवंटित धनराशि के प्रत्येक बिल में चाहें वो वेतन आदि के सम्बन्ध में हो अथवा आकस्मिक व्यय के सम्बन्ध में सम्पूर्ण मुख्य/लघु/उप तथा विस्तृत शीर्षक को अंकित किया जाए और प्रत्येक बिल में दाहिनी और लाल स्याही से अनुदान संख्या-15 तथा आयोजनेत्तर शब्द स्पष्ट लिखा जाए, अन्यथा महालेखाकार कार्यालय में सही बुकिंग में बाधा होगी।
6. संलग्नक में वर्णित धनराशियों का समय से उपयोग करने के लिए यह भी सुनिश्चित कर लें कि धनराशि परिधिगत अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाए, आहरण वितरण अधिकारियों को अवमुक्त धनराशियों का विवरण बी0एम0-17 पर निर्धारित समयान्तर्गत शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
7. मितव्ययता के सम्बन्ध में नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। मितव्ययिता/अवचनबद्ध की मदों में व्यय करने से पूर्व वित्त विभाग की सहमति प्राप्त करना सुनिश्चित कर लिया जाय।
8. यदि किसी अधिष्ठान/योजनाओं के अन्तर्गत अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता हो तो अतिरिक्त धनराशि की मांग का औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
9. अप्रयुक्त धनराशि वित्तीय हस्तपुस्तिका के प्राविधानों के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
10. उपर्युक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन अपने एवं अधीनस्थ स्तरों पर भी सुनिश्चित करें तथा बी0एम0-13 पर संकलित मासिक सूचनाएं नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
11. लाभार्थियों को छात्रवृत्ति वितरण के संबंध में निम्नानुसार प्रक्रिया का पालन किया जाए—
 - (1) प्रत्येक लाभार्थी को छात्रवृत्ति का भुगतान लाभार्थी के डाकघर बचत खाते माध्यम से किया जाना सुनिश्चित करें।
 - (2) प्रत्येक जनपद के लाभार्थियों की सूची हार्ड एव साफ्ट कापी में संबंधित जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा संबंधित जनपद के प्रवर डाकर अधीक्षक/डाकघर अधीक्षक को अग्रिम रूप से उपलब्ध करायी जाएगी।
 - (3) प्रत्येक जनपद के जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा वांछित धनराशि का एक चैक, जो कि संबंधित जनपद के प्रधान डाकघर के पोस्ट मास्टर के पक्ष में देय होगा को लाभार्थियों की सूची सहित उपलब्ध कराया जाएगा।
 - (4) चैक प्राप्त होने के दो सप्ताह के भीतर लाभार्थी के बचत खाते में छात्रवृत्ति की धनराशि जमा करनी आवश्यक होगी।
 - (5) दिनांक 15 नवम्बर 2007 को डाक विभाग, उत्तराखण्ड परिमण्डल के साथ किए गए एम0ओ0यू0 के अनुसार कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करें।



12. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्यय की अनुदान संख्या-15 के आयोजनेत्तर पक्ष में संलग्न तालिका में उल्लिखित लेखाशीर्षकों की सुसंगत प्राथमिक ईकाईयों के नामे डाला जायेगा।
13. यह आदेश वित्त विभाग के अ0शा0 संख्या:22(NP)/xxvii(3)/08 दिनांक 21 अप्रैल 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न:-यथोपरि।

भवदीय,

अरुण कुमार ढौंडियाल
(अरुण कुमार ढौंडियाल)
अपर सचिव।

संख्या 25/XVII-3/08-7(11) 2007, तददिनांक :

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड।
2. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
3. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. मण्डलायुक्त, गढ़वाल/कुमाऊं, उत्तराखण्ड।
5. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तराखण्ड, देहरादून।
6. चीफ पोस्ट मास्टर जनरल उत्तराखण्ड देहरादून।
7. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
8. कोषाधिकारी, हल्द्वानी(नैनीताल), उत्तराखण्ड।
9. समस्त जिला समाज कल्याण अधिकारी, उत्तराखण्ड।
10. सचिव उत्तराखण्ड, अल्पसंख्यक आयोग, देहरादून।
11. प्रभारी अधिशासी अधिकारी, राज्य हज समिति, देहरादून।
12. मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उत्तराखण्ड वक्फ बोर्ड, देहरादून।
13. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
14. बजट, राजकोषीय नियोजन व संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
15. समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
16. राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
17. आदेश पंजिका।

आज्ञा से

(धीरेन्द्र सिंह दताल)
उप सचिव।